Letters written by M.Ps. to the Minister of Civil Supplies, Secretary, Commissioner etc.

4120. SHRI RAJNATH SONKAR SHASTRI: Will the Minister of CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that letters written by Members of Parliament to the Commissioner of Food and Supplies, Delhi are neither acknowledged nor replied to expeditiously as per instructions issued by the Ministry of Home Affairs;

(b) if so, what are the reasons thereof;

(c) what steps are proposed to be taken to ensure the expeditious disposal of letters of Members of Parliament; and

(d) how many letters were received by the Minister of Civil Supplies, Secretary, Ministry of Civil Supplies, Commissioner of Food and Supplies; Delhi Administration etc. etc. during the course of the last one year together with their details?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES (SHRI MOHAMMED USMAN ARIF): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

(d) During the period from 1-10-1981 to 30-9-1982 the Commissioner of Food & Supplies, Delhi, received 1046 letters and the Minister of Civil Supplies received 119 letters from Members of Parliament. No letters were received from Members of Parliament by the Secretary, Ministry of Civil Supplies during the last one year.

Majority of the letters received by the Commissioner of Food and Supplies do not ask for reply. Where reply was asked for or was called for, it was given promptly. The letters received by the Minister of Civil Supplies from Members of Parliament were acknowledged invariably. Replies to 89 letters out of a total of 119 have already been sent.

बैंक ऋण प्रतिबन्धों का औद्योगिक उत्पादन पर प्रभाव

4121. श्री मूल चन्द डागा : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बैंक ऋणों पर लगाए गए प्रतिबन्धों के कारण केमिकल्स स्टील, कागज आदि जैसे अनेक उद्योग अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर पाने में असमर्थ हैं और उनका उत्पादन घट गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस वर्ष किस उद्योग ने अपना उत्पादन घटा दिया है और वह कितने प्रतिशत घटाया है; और

(ग) सरकार का विचार इस समस्या को हल करने के लिए क्या कार्यवाही करने का है ?

वित्त मंत्री (श्री प्रणब मुखर्जी) : (क) से (ग). 1982 के पहले सात महीनों में औद्योगिक उत्पादन के सामान्य सूचक अंक में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। कतिपय उद्योगों जैसे कि सूती वस्त्र उद्योग, जूट वस्त्र उद्योग, इस्पात, और कृषि के काम आने वाले ट्रैक्टरों आदि के उत्पादन में कमी देखी गई है। लेकिन अलग-अलग उद्योग के सम्बन्ध में इसके अलग-अलग कारण हैं अर्थ-व्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की ऋण सम्बन्धी आवश्यकताओं की लगातार समीक्षा की जाती है और उनकी ऋण सम्बन्धी उचित आवश्यकता की पूर्ति की सुनिश्चित व्यवस्था करने के लिए कार्रवाई की जाती है। 1982-83 के व्यस्त मौसम में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 25 अक्तूबर, 1982 को घोषित ऋण नीति में विशिष्ट समस्याओं का हल करने और इस ऋण सम्बन्धी उचित आवश्यकताओं को पूरा करने लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं।